भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3896

जिसका उत्तर 27 मार्च, 2026 को दिया जाना है ।

06 चैत्र, 1948 (शक)

एआई कंप्यूट क्षमता की परिचालन स्थिति और परिमाण

3896. श्री कार्तिकेय शर्माः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप को उपलब्ध कराई गई सरकार समर्थित राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंप्यूट/जीपीयू अवसंरचना की वर्तमान परिचालन स्थिति, कंप्यूट क्षमता का परिमाण और संस्थागत पहुंच ढांचे का ब्यौरा क्या है

(ख) क्या यह सुविधा भारत की स्वदेशी फाउंडेशन मॉडल पहलों, जिनमें भारतजेन भी शामिल है, के साथ एकीकृत है, ताकि छात्रों और युवा डेवलपरों को शिक्षा और डिजिटल क्रिएटर अर्थव्यवस्था के लिए भारतीय भाषा के ऐप, क्रिएटर टूल और एआई कोपायलट बनाने में सक्षम बनाया जा सके; और

(ग) इंडिया एआई मिशन के तहत निष्पक्ष आवंटन, डेटा सुरक्षा और क्षेत्रीय समावेशन सुनिश्चित करने और छात्रों और स्टार्टअप, विशेष रूप से टियर-2 और टियर 3 शहरों में रियायती या मुफ्त जीपीयू पहुंच प्रदान करके "एआई-डिवाइड" को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ग):** भारत की एआई रणनीति प्रौद्योगिकी के उपयोग का लोकतंत्रीकरण करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारत केंद्रित चुनौतियों का समाधान करना, सभी भारतीयों के लिए आर्थिक और रोजगार के अवसर पैदा करना है।

सरकार ने 7 मार्च 2024 को इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी। मिशन सात स्तंभों पर बनाया गया है जो कंप्यूट एक्सेस, मूलभूत मॉडल, डेटासेट, प्रतिभा विकास, स्टार्टअप और उद्योग साझेदारी, एप्लीकेशनों के विकास और नैतिक एआई पर केंद्रित हैं।

इन प्रयासों का उद्देश्य देश में एक आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी एआई इकोसिस्टम का निर्माण करना है।

एआई विकास के लिए किफायती गणना क्षमता

इंडियाएआई कंप्यूट कैपेसिटी पिलर के तहत, पात्र उपयोगकर्ताओं को रियायती दरों पर क्लाउड पर जीपीयू एक्सेस प्रदान करने वाले पैनल वाले एआई सेवा प्रदाताओं के माध्यम से एक राष्ट्रीय एआई कंप्यूट क्षमता का संचालन किया गया है।

- अब तक, इंडियाएआई कंप्यूट कैपेसिटी फ्रेमवर्क के तहत 14 सूचीबद्ध सेवा प्रदाताओं से **38,231 जीपीयू** को शामिल किया गया है
- भारत सरकार रियायती दरों पर इन जीपीयू तक पहुंच प्रदान करती है। चुनिंदा हाई-एंड जीपीयू (वैश्विक औसत का एक तिहाई) को छोड़कर औसत दर लगभग **65 रुपये प्रति जीपीयू प्रति घंटा** है।
- गणना के अलावा, सूचीबद्ध प्रदाता एआई मॉडल विकास और तैनाती के लिए आवश्यक भंडारण, नेटवर्किंग, एआई प्लेटफॉर्म और अन्य सहायक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं

कम्प्यूटेशनल संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल लॉन्च किया गया है। यह स्टार्टअप, एमएसएमई, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, पीएचडी विद्वानों, छात्रों, स्टार्टअप और सरकारी एजेंसियों को रियायती दरों पर एआई कंप्यूट, नेटवर्क, स्टोरेज, प्लेटफॉर्म और क्लाउड सेवाएं प्रदान करता है।

एआई कंप्यूट सेवाओं के लिए एक अंतिम उपयोगकर्ता नीति प्रकाशित की गई है जो अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए पात्रता मानदंड और रियायती दरों पर क्लाउड पर सूचीबद्ध एआई सेवाओं तक पहुंचने की कार्यप्रणाली को परिभाषित करती है।

स्वदेशी मूलभूत मॉडल का विकास

इंडियाएआई फाउंडेशन मॉडल स्तंभ का उद्देश्य भारतीय डेटासेट और भाषाओं पर प्रशिक्षित भारत के अपने बड़े मल्टीमॉडल मॉडल विकसित करना है।

- सर्वम एआई, सोकेट एआई, ज्ञानी एआई, गण एआई, अवतार एआई, आईआईटी बॉम्बे कंसोर्टियम (भारतजेन), जेनलूप, जेंटीक, इंटेलीहेल्थ, शोध एआई, फ्रैक्टल एनालिटिक्स लिमिटेड और टेक महिंद्रा मेकर लैब सहित स्टार्टअप, उद्योग के खिलाड़ियों और शैक्षणिक संस्थानों सहित बारह संगठनों और कंसोर्टिया को भारतीय डेटासेट के आधार पर बड़े और छोटे भाषा मॉडल विकसित करने के लिए चुना गया है
- वास्तविक गणना उपयोग लागतों को कवर करने के लिए चयनित संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि गणना व्यय का अतिरिक्त 25% डेटासेट और कर्मियों जैसे सहायक खर्चों का समर्थन करने के लिए निर्धारित किया जा रहा है
- इंडियाएआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान सर्वम एआई, भारतजेन और ज्ञानी के सॉवरेन मॉडल लॉन्च किए गए। इन मॉडलों ने भारतीय भाषा के बेंचमार्क पर मजबूत प्रदर्शन दिखाया है, और कुछ मामलों में विशिष्ट कार्यों पर अग्रणी फ्रंटियर मॉडल की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है

परिणामी एआई मॉडल से उम्मीद की जाती है कि वे अन्य स्टार्टअप और शोधकर्ताओं के लिए एआईकोश प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्हें उपलब्ध कराकर ओपन-सोर्स इकोसिस्टम में योगदान देंगे। यह भारत के स्टार्टअप और अनुसंधान समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देगा।

उसी के हिस्से के रूप में, सर्वम और भारतजेन मॉडल अब एआई आधारित एप्लीकेशनों को विकसित करने के लिए डेवलपर समुदाय के लिए एआईकोष प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

क्षेत्रीय एआई नवाचार और कौशल को मजबूत करना

इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स स्तंभ के तहत, सरकार 500 पीएचडी फेलो, 5,000 स्नातकोत्तर और 8,000 स्नातक की सहायता करके एक व्यापक एआई प्रतिभा और अनुसंधान पाइपलाइन विकसित कर रही है।

- एआई, डेटा क्यूरेशन, एनोटेशन, सफाई और एप्लाइड डेटा साइंस में शोध कार्य करने के लिए एनआईईएलआईटी के माध्यम से टियर-2 और टियर-3 शहरों में 27 इंडियाएआई डेटा और एआई लैब स्थापित किए गए हैं।
- सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 543 आईटीआई और पॉलिटेक्निक को अतिरिक्त इंडियाएआई डेटा और एआई लैब स्थापित करने के लिए अनुमोदित किया गया है
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम के तहत 250 से अधिक फेलोशिप पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं।

इंडियाएआई मिशन के तहत एआई-सीओई

एमईआईटीवाई, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और उद्योग भागीदारों के साथ एक सहयोगी मॉडल में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 58 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एआई-सीओई) की स्थापना के लिए एक योजना को मंजूरी दी गई है।

इन सीओई का उद्देश्य उभरते तकनीकी क्षेत्रों में लक्षित प्रतिभा विकास कार्यक्रमों के माध्यम से कुशल पेशेवरों का पोषण करना है, जबकि तकनीक-संचालित स्टार्टअप्स को उनके विकास और नवाचार में तेजी लाने के लिए सशक्त बनाना है।

****